



लिङ्गाष्टकम् (Lingashtakam) in Gujarati

लिङ्गाष्टकम्



विंशत्यष्टकम्

ब्रह्ममुरारि सुरार्यित विंगं
निर्मलभासित शोभित विंगम् ।
जन्मज दुःख विनाशक विंगं
तत्प्रणमामि सदाशिव विंगम् ॥ 1 ॥

देवमुनि प्रवरार्यित विंगं
कामदहन करुणाकर विंगम् ।
रावण दुर्ष विनाशन विंगं
तत्प्रणमामि सदाशिव विंगम् ॥ 2 ॥

सर्व सुगंध सुवेपित विंगं
बुद्धि विवर्धन कारण विंगम् ।
सिद्ध सुरासुर वंदित विंगं
तत्प्रणमामि सदाशिव विंगम् ॥ 3 ॥

कनक महामणि भूषित विंगं
इण्डिपति वेष्टित शोभित विंगम् ।
दक्षसुयज्ञ विनाशन विंगं
तत्प्रणमामि सदाशिव विंगम् ॥ 4 ॥

कुंकुम चंदन वेपित विंगं
पंकज हार सुशोभित विंगम् ।
संचित पाप विनाशन विंगं
तत्प्रणमामि सदाशिव विंगम् ॥ 5 ॥

द्वेवगणार्थित सेवित विंगं
भावै-भक्तिभिरेव य विगम् ।
दिनकर कोटि प्रभाकर विंगं
तत्प्रणामामि सदाशिव विगम् ॥ 6 ॥

अष्टदणोपरिवेष्टित विंगं
सर्वसमुद्भव कारण विगम् ।
अष्टदरिद्र विनाशन विंगं
तत्प्रणामामि सदाशिव विगम् ॥ 7 ॥

सुरगुरु सुरवर पूजित विंगं
सुरवन पुष्प सदार्यित विगम् ।
परात्परं (परमपदं) परमात्मक विंगं
तत्प्रणामामि सदाशिव विगम् ॥ 8 ॥

विगाष्टकमिदं पुण्यं यः पठेशिव सन्निधौ ।
शिवलोकमवाप्नोति शिवेन सह मोदते ॥

